CRLC-02

June - Examination 2019

Certificate in Rajasthani Language and Culture Examination

राजस्थानी साहित्य

Paper - CRLC-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : ओ पेपर तीन खण्डां – 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा (निबंधात्मक) सवाल दियौड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै दियौड़ा निर्देशां मुजब आपरा पड़ूत्तर लिखौ।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड में दियौड़ा सगळा सवालां रा उत्तर देवणा जरूरी है। आपरै पड़ूत्तर री सींव 30 सबदां सूं बे सी नीं हुवणी चाईजै। इस सेक्शन का अधिकतम अंक 10 होगा।

1) (i) ''पृथ्वी राज रासौ'' ग्रंथ रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(ii) ''बीसलदेव रास'' रा रचनाकार कुण हा?

(iii) ''वेलि क्रिस्न रुक्मणी री'' रचना किणरी लिख्यौड़ी है?

(iv) ''प्रसिद्ध ''चेतावणी रा–चूंगट्या'' कुण लिख्या?

(v) संत जांभोजी कुण सै पंथरी थरपणा करी?

(vi) शब्द शक्तियां रा कितरा भेद हुवै?

(vii) ''वयणसगाइ'' अलंकार रा कितरा भेद हुवै?

(viii) ''कामण'' लोकगीत कद गायौ जावै?

(ix) किण लोकगाथा में ''रावण हत्थो'' वाद्ययंत्र रौ प्रयोग करयौ जावै?

(x) ''आयो इंगरेज मुलक रै ऊपर,

आहंस लीधा खेंचि उरां।

धणियां मरै न दीधी धरती,

धणियां ऊभा गई धरा।।''

ऊपर लिख्योड़ी ओळियां रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(छोटा सवाल)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रौ चयन करता थकां उणारा पडूत्तर 200 सबदां री सींव में लिखौ।

2) आदिकालिन जैन साहित्य बाबत टिप्पणी लिखौ।

3) मध्यकाल रा प्रसिद्ध कवि ईसरदास रै व्यक्तित्त्व अर कृतित्व नै उजागर करौ।

4) ''बारह मासा'' काव्य सैली बाबत जाणकारी उजागर करौ।

5) रामस्नेही सम्प्रदाय री संत परम्परा रौ वर्णन करौ।

6) उदाहरणां साथै टिप्पणी लिखौ।

(अ) सुद्ध दू हौ।

(ब) तूंवेरी दू हौ।

7) तीज रा राजस्थानी लोक गीतां माथै सांतरी जाणकारी उजागर करौ।

8) लोकगाथावां री विसेसतावां रौ वर्णन करौ।

9) लोककथावां में कथानक रुढ़ियां कांई हुवै? वर्णन करौ।

(खण्ड – स) **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रौ चयन करता थकां उणारा पडूत्तर 500 सबदां री सींव में लिखणा है।

10) राजस्थानी साहित्य रै आदिकाल री समय सींव निर्धारित करता थकां उण बगत री राजनीतिक, सामाजिक अर धारमिक स्थितियां रौ विस्तार सूं वर्णन करौ।

11) आधुनिक राजस्थानी काव्य री विविध प्रवृत्तियां बाबत विस्तार सूं खुलासौ करौ।

12) राजस्थानी लोकगीतां रौ उदाहरणां साथै वरगीकरण करौ।

13) लोककथावां री विविधता विस्तार सूं वर्णित करौ।